vinetur

ऑक्सितानी में 2025-2026 अभियान के दौरान थोक वाइन की कीमतें 2% बढ़ीं

कारोबार की मात्रा 1% बढ़ी, लेकिन निर्यात घटा और उत्पादन लागत 2020 के स्तर से 27% ऊपर बनी रही

शनिवार, 21 नवंबर 2026



2025-2026 अभियान के दौरान ऑक्सितानी का थोक वाइन बाजार मोटे तौर पर स्थिर रहा। औसत कीमतें 2% बढ़ीं और कारोबार की मात्रा में 1% की मामूली बढ़ोतरी हुई, जबकि फ्रांस के इस क्षेत्र से निर्यात कमजोर पड़ा और उत्पादकों की उत्पादन लागत ऊंची बनी रही।

शुक्रवार, 20 नवंबर को प्रकाशित एक रिपोर्ट में DRAAF Occitanie और Agreste ने बताया कि 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2026 तक चले अभियान के दौरान क्षेत्र में उत्पादित थोक वाइन औसतन 92 यूरो प्रति हेक्टोलिटर में बिकी। संरक्षित भौगोलिक संकेत (IGP) के तहत और भौगोलिक संकेत के बिना (SIG) थोक में बेची गई वाइन की कुल मात्रा 7.16 मिलियन हेक्टोलिटर रही।

पिछले अभियान की तुलना में बढ़ोतरी मामूली रही। रिपोर्ट के अनुसार, मात्रा 2020 से 2024 के पांच अभियानों के औसत से अब भी 4% कम थी और कीमतें भी उस औसत से 2% नीचे थीं। वहीं, 2020 से उत्पादन लागत 27% बढ़ चुकी है, जिससे कीमतों में हालिया सुधार के बावजूद कई उत्पादकों का मुनाफा सीमित हो गया है।

इसका असर क्षेत्र के अंगूर के बागों से आगे तक पड़ता है, क्योंकि ऑक्सितानी यूरोप में थोक वाइन के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है। यहां की कीमतों, उपलब्ध मात्रा और निर्यात मांग में बदलाव से उन वाइनरी, बॉटलिंग कंपनियों और पेय कारोबारियों की खरीद की शर्तें, मुनाफे और आपूर्ति संबंधी फैसले प्रभावित हो सकते हैं, जो बड़े पैमाने पर खरीद के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर हैं।

थोक बिक्री क्षेत्रीय वाइन अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2020 से 2025 के बीच SIG और IGP लेबल के तहत थोक में बेची गई वाइन का हिस्सा ऑक्सितानी के कुल वाइन उत्पादन में औसतन 55% से अधिक रहा।

2025-2026 अभियान में विभिन्न श्रेणियों के रुझान अलग-अलग रहे। SIG वाइन ने बाजार की बढ़त का नेतृत्व किया : उनकी मात्रा 5% बढ़कर 1.851 मिलियन हेक्टोलिटर हो गई और औसत कीमत 1% बढ़कर 81 यूरो प्रति हेक्टोलिटर रही। IGP वाइन की मात्रा 5.308 मिलियन हेक्टोलिटर पर स्थिर रही, जबकि कीमत 3% बढ़कर 96 यूरो प्रति हेक्टोलिटर हो गई। जैविक थोक वाइन का रुझान इसके उलट रहा और कारोबार की मात्रा 8% गिरकर 248,000 हेक्टोलिटर रह गई। उनकी औसत कीमत 1% बढ़कर 139 यूरो प्रति हेक्टोलिटर हुई, लेकिन यह पांच साल के औसत से अब भी 10% कम थी।

सफेद वाइन बाजार का सबसे मजबूत हिस्सा रही। रिपोर्ट के अनुसार, सफेद वाइन की मात्रा और कीमतों में लाल या रोज़े वाइन के मुकाबले अधिक वृद्धि हुई। ऑक्सितानी के थोक कारोबार में सफेद वाइन की हिस्सेदारी 2021 के 27% से बढ़कर 2025 में 32% हो गई, जबकि इसी अवधि में लाल वाइन की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत अंक घटी। IGP वाइन में सफेद थोक वाइन की औसत कीमत 113 यूरो प्रति हेक्टोलिटर रही, जो पिछले अभियान से 4% अधिक थी। SIG सफेद वाइन की कीमतें 2% बढ़कर 94 यूरो प्रति हेक्टोलिटर हो गईं। रोज़े की कीमतें कमजोर रहीं: SIG रोज़े 2% सस्ती हुई, जबकि IGP रोज़े की कीमत स्थिर रही।

रिपोर्ट के अनुसार, कम 2025 फसल और 228,000 हेक्टोलिटर को शामिल करने वाले आसवन उपायों के बाद भंडार घटने से अभियान के अंत में कीमतों में बढ़ोतरी तेज हुई। जुलाई तक मासिक कीमतें जुलाई 2025 के स्तर से SIG वाइन के लिए 11%, IGP वाइन के लिए 13% और जैविक वाइन के लिए 7% अधिक थीं। इसके बावजूद, DRAAF Occitanie और Agreste ने कहा कि जून में थोक वाइन की कीमतें मोटे तौर पर 2020 के स्तर के बराबर ही थीं। इससे बिक्री कीमतों और लागत के बीच का अंतर सामने आता है।

व्यापक परिदृश्य अब भी चुनौतीपूर्ण बना रहा। रिपोर्ट में 2024 की फसल को ऐतिहासिक रूप से कमजोर बताया गया ; इसके बाद 2025 में वैश्विक वाइन उत्पादन केवल मामूली रूप से सुधरकर 227 मिलियन हेक्टोलिटर रहा, जो 2024 से 0.9% अधिक था। इटली 44 मिलियन हेक्टोलिटर के साथ दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बना रहा और फ्रांस उससे पीछे था। फ्रांस का वाइन उत्पादन 2025 में 2% गिरकर 35 मिलियन हेक्टोलिटर रह गया।

ऑक्सितानी में 2025 की फसल 10.6 मिलियन हेक्टोलिटर रही, जो 2024 से 7.2% कम और 10 साल के औसत से 22.5% नीचे थी। रिपोर्ट ने इस गिरावट का बड़ा कारण अंगूर के बागों का घटा हुआ क्षेत्रफल बताया। इसमें 2025 में बेलें उखाड़ने की योजना के तहत सार्वजनिक सहायता पाने वाले 16,000 हेक्टेयर भी शामिल थे। रिपोर्ट में उद्धृत सीमा शुल्क के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2025 में देशभर में वाइन का भंडार भी अगस्त 2024 से 5% कम था।

वाइन बाजार में मांग के रुझानों ने दबाव और बढ़ाया। DRAAF Occitanie और Agreste ने बताया कि वैश्विक वाइन खपत 2024 और 2025 के बीच 2.7% घटकर 208 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई, जो 30 साल का सबसे निचला स्तर है। रिपोर्ट ने अमेरिका में मांग के परिपक्व होने, 2018 के बाद से चीन में खपत में तेज गिरावट, यूरोप में लंबे समय से जारी

खपत में कमी और 2025 में भू-राजनीतिक कारणों से व्यापार में आई बाधाओं का जिक्र किया। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस में वाइन की खपत 1995 से 37% घट चुकी है।

ऑक्सितानी के निर्यात में भी कमजोर मांग की झलक दिखी। क्षेत्र से IGP और AOP वाइन की खेप 2025-2026 अभियान में पिछले साल के मुकाबले मात्रा के हिसाब से 5.6% और मूल्य के हिसाब से 8% घटी। औसत निर्यात कीमत 2.7% नीचे आई। अमेरिका महाद्वीपों में गिरावट सबसे गंभीर रही, जहां निर्यात की मात्रा 10% और औसत कीमतें 11% घटीं। अन्य गंतव्यों के लिए कीमतें मामूली बढ़ीं, लेकिन इससे कम हुई मात्रा की भरपाई नहीं हो सकी। रिपोर्ट के अनुसार, संरक्षणवादी उपायों का भी निर्यात पर असर पड़ा।

आपूर्ति के मोर्चे पर एक बड़ा सकारात्मक संकेत मिला। 1 अक्टूबर तक, ऑक्सितानी में 2026 की फसल 13 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान था—2025 से 23% अधिक और पांच साल के औसत से 5% ऊपर। DRAAF Occitanie और Agreste ने कहा कि यह बढ़ोतरी 2020 से उत्पादक अंगूर-बाग क्षेत्र में 16% की कमी और बेहद गर्म गर्मी के बावजूद हुई। लैंगडॉक-रूसियों में उत्पादन 25% बढ़कर 11.1 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान था, जबकि ऑक्सितानी में आने वाले दक्षिण-पश्चिम बेसिन के हिस्से का उत्पादन 12% बढ़कर 1.9 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान लगाया गया।

एजेंसियों ने कहा कि यह उछाल ऑक्सितानी तक सीमित था, जहां के अंगूर के बागों ने फ्रांस के अधिकांश अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक मजबूती दिखाई। 2026 में देश की कुल फसल 2025 के ऐतिहासिक निचले स्तर से केवल 4% बढ़ने की उम्मीद थी।